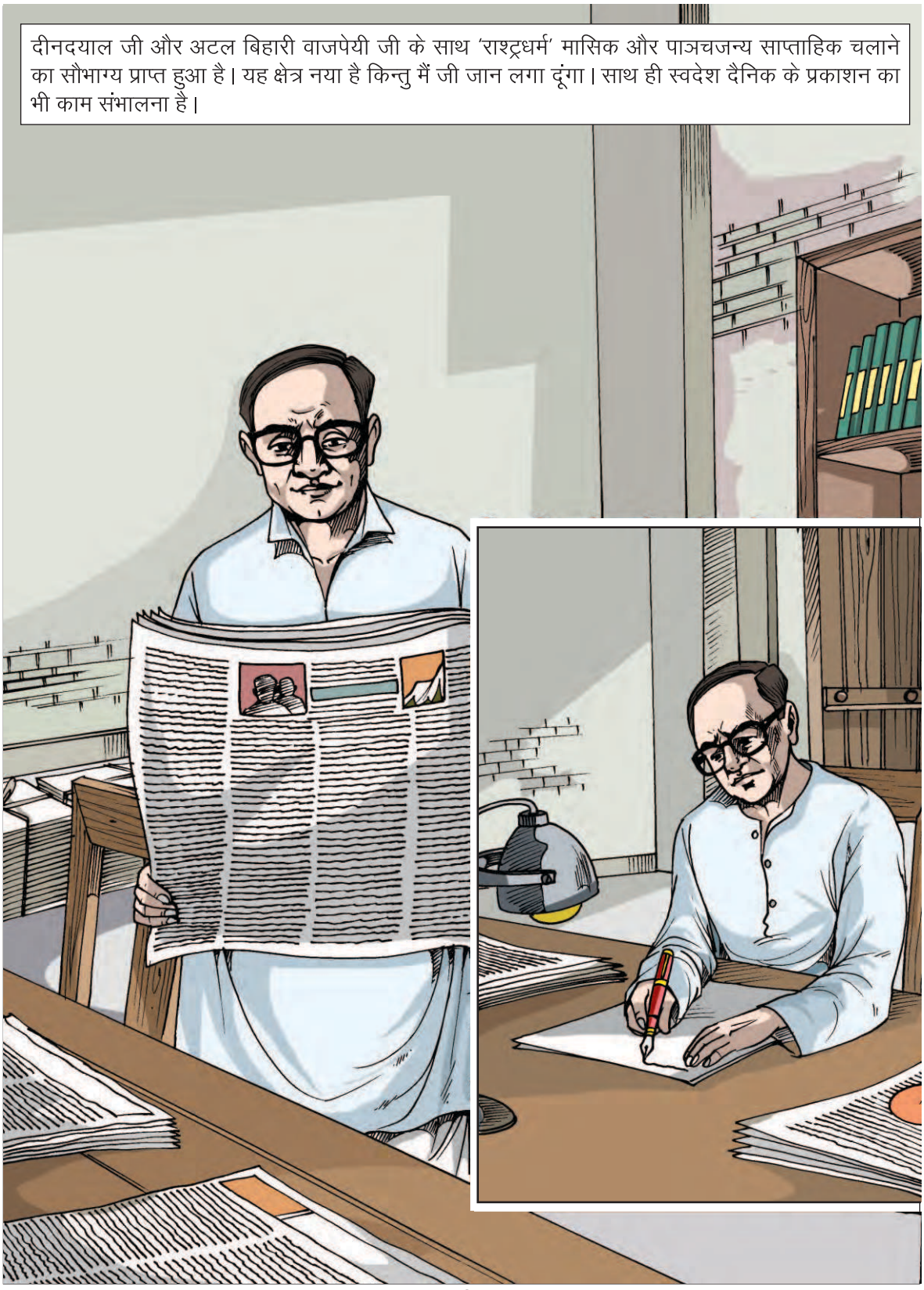
दीनदयाल जी और अटल बिहारी वाजपेयी जी के साथ 'राष्ट्रधर्म' मासिक और पाञ्चजन्य साप्ताहिक चलाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। यह क्षेत्र नया है किन्तु मैं जी जान लगा दूंगा। साथ ही स्वदेश दैनिक के प्रकाशन का भी काम संभालना है।